चार शंकराचार्य मठ

- अब से लगभग ढाई हजार वर्ष पहले **सनातन धर्म की एक-जुटता तथा वेदों के पठन-पाठन के दोहरे उद्देश्य से** आदि शंकराचार्य जी (509 – 477 BCE) ने, जिन्हें वैदिक सनातन धर्म को पुनर्जीवित करने का श्रेय जाता है, **भारतवर्ष के चार कोनों में चार ज्ञान-मठों की स्थापना की थी**। इन मठों को **ज्ञान-पीठ भी** कहा जाता है।
- उसके बाद से ही सनातन धर्म का सम्पूर्ण संत-समाज इन चार मठों के अधीन है और इन्हीं से ही गुरु-शिष्य परम्परा का निर्वाह होता है। जो भी सन्यासी इनमें से किसी भी मठ से दीक्षा लेता है, वह निम्नलिखित दस सम्प्रदायों (जो कि 'दशनामी सम्प्रदाय' कहलाते हैं) में से किसी एक संप्रदाय का सन्यासी माना जाता है – सरस्वती, गिरि, पुरी, बन, भारती, तीर्थ, सागर, अरण्य, पर्वत और आश्रम।
- 'आदि शंकराचार्य जी' ने इन मठों की स्थापना के साथ-साथ उनके मठाधीशों की भी नियुक्ति की थी, जो बाद में स्वयं 'शंकराचार्य' कहलाए। इन चार मठों के नाम, स्थान तथा संक्षिप्त वर्णन नीचे दिए हैं।
- **1. श्रृंगेरी-शारदा मठ :**
  - यह ज्ञान-मठ (पीठ) भारत के दक्षिणी भाग में कर्नाटक राज्य के श्रृंगेरी नगर (जिला चिकमंगलुर) में स्थित है।
  - इस मठ से दीक्षा लेने वाले संन्यासी 'सरस्वती', 'भारती' और 'पुरी' सम्प्रदाय के माने जाते हैं।
  - इस मठ का महावाक्य ***'अहं ब्रह्मास्मि'*** है तथा मठ में 'यजुर्वेद' का पठन-पाठन किया जाता है।
  - मठ के प्रथम मठाधीश आचार्य सुरेश्वर थे, जिनका नाम पहले मण्डन मिश्र था। वर्तमान के मठाधीश शंकराचार्य स्वामी भारती कृष्ण तीर्थ हैं।
- **2. गोवर्धन मठ :**
  - यह ज्ञान-मठ (पीठ) भारत के पूर्वी भाग में उड़ीसा राज्य के पुरी शहर में है और श्री जगन्नाथ मंदिर से सम्बद्ध (associated) है।
  - संन्यासी सम्प्रदाय - 'आरण्य'; मठ का महावाक्य - ***'प्रज्ञानं ब्रह्म'***; वेद - 'ऋग्वेद'।
  - प्रथम मठाधीश - पद्मपाद ; वर्तमान के मठाधीश शंकराचार्य - स्वामी निश्चलानन्द सरस्वती ।
- **3. द्वारका-शारदा मठ :**
  - यह ज्ञान-मठ (पीठ) भारत के पश्चिमी भाग में गुजरात राज्य के द्वारका नगर में स्थित है और श्री द्वारकाधीश मंदिर से सम्बद्ध (associated) है। ।
  - संन्यासी सम्प्रदाय - 'तीर्थ' और 'आश्रम'; मठ का महावाक्य - ***'तत्त्वमसि'***; वेद - 'सामवेद'।
  - प्रथम मठाधीश - हस्तामलक (पृथ्वीधर); वर्तमान के मठाधीश शंकराचार्य - स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती ।

- **4. ज्योतिर्मठ :**
  - यह ज्ञान-मठ (पीठ) भारत के उत्तरी भाग में उत्तराखंड राज्य के ज्योतिर्मठ नामक नगर (जिला चमोली) में स्थित है।
  - संन्यासी सम्प्रदाय - 'गिरि', 'पर्वत' एवं 'सागर'; मठ का महावाक्य - ***'अयमात्मा ब्रह्म'***; वेद - अथर्ववेद।
  - प्रथम मठाधीश - आचार्य त्रोटक; वर्तमान के मठाधीश शंकराचार्य - स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ।
- उपरोक्त चार मठों के अतिरिक्त, तमिलनाडु राज्य के काँचीपुरम में स्थित 'काँची मठ' को भी आदि शंकराचार्य जी द्वारा स्थापित माना जाता है। वर्तमान में इस मठ के मठाधीश स्वामी जयेंद्र सरस्वती हैं।